Visit of Secretary, DARE and DG, ICAR to ICAR-RCER, Patna

Hon'ble Secretary, Department of Agricultural Research and Education (DARE) and Director General, Indian Council of Agricultural Research (ICAR), Dr. Himanshu Pathak visited ICAR-Research Complex for Eastern Region, Patna on 27th Feb, 2023. He was warmly welcomed by Director of the institute Dr. Anup Das. Dr. Pathak interacted with all the Scientists, Administrative and Technical staffs of the institute. Director of the institute briefed about the progress made by the institute. He highlighted on research achievements in area of strategic and adaptive research for efficient integrated management of natural resources, rice-fallow programme, IFS programme, wet land area management, year around fodder production, conservation agriculture, release of varieties in different crops for different agro-ecological conditions (drought, flood etc.), technologies dissemination and millet production. He also presented future course of action to be taken by the institute in the field of research, capacity building and extension during the interaction. Honorable DG, ICAR appreciated the effort made by the institute and congratulated Scientists and other staff for the achievements. He has given valuable suggestion for improving research activities of the institute. He emphasized on technology commercialization, developing entrepreneurship, use of modern technologies (AI, Drone etc.), effective technology dissemination, need for strengthening consortia approach engaging other ICAR Institutes, Agricultural Universities, Line departments etc. for overall agricultural development of eastern region of India and innovation and focused research with the aim of generating desired products, concepts, package etc. to meet present day demand by stakeholders, industries and market. He also said that each Scientist should have a focused area of research so that resources are efficiently utilized and results can be delivered in a time frame. Further, he stressed upon the need for brainstorming to come out with areas in which Institute would focus its research activities and accordingly frame projects. Director of the institute Dr. Anup Das informed the house that there is need for multidisciplinary team of scientists to focus on mandated IFS activities, accordingly Agronomist is required at Ranchi Centre, also vacant positions in the institute may be filled by the council. Honorable DG replied that director may relocate Scientist to achieve mandate as per requirement. He further informed that Council will do best to fill vacant positions at the earliest. Director of the Institute also informed honorable Secretary DARE & DG ICAR that raising farm boundaries in its Ranchi, Sabujpura and Darbhanga Centre, establishing a central lab, guest house/students hostel are required for smooth functioning of the Institute. Further, considering giving away of about 21 acre farm land to airport, there is urgent need for additional land for establishing IFS units, Fodder blocks, Animal units and other purposes. Dr. Pathak ensured all the possible support for research and functioning of the Institute. He also released two books namely “Matasya paalan ki unnat taknikiyan” and “Profitable goat farming”, one technical bulletin on “Vegetable varieties

suitable for cultivation in eastern India" and one extension folder on "Production technology for nutri-cereals". On this occasion, a progressive farmer "Sri Kamakhya Narayan Sharma" from Naubatpur block, Patna shared his experience on pond based IFS Model and informed that he is getting significant monetary return from the model. Honorable DG, ICAR felicitated the farmer for his work. During the programme, other dignitaries like Dr. A.K Singh (Director, Sugarcane Research Institute, Dr. RPCAU, Pusa, Samastipur), Dr. Anjani Kumar (Director, ICAR-ATARI, Patna), and Dr Bikash Das (Director, ICAR-NRC Litchi, Muzaffarpur) were also present. Programme was ended with vote of thanks by Dr. ManishaTamta, Scientist, DCR, ICAR-RCER, Patna.

सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना का दौरा किया

माननीय सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) डॉ. हिमांशु पाठक ने 27 फरवरी, 2023 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिस, पटना का दौरा किया। संस्थान के निदेशक डॉ.अनुप दास ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया । डॉ. पाठक ने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक में संस्थान के निदेशक ने संस्थान द्वारा की गई प्रगति के बारे में जानकारी दी तथा उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के कुशल समेकित प्रबंधन, धान-परती कार्यक्रम, समेकित कृषि प्रणाली कार्यक्रम, आर्द्रभूमि क्षेत्र प्रबंधन, वर्ष भर चारा उत्पादन, संरक्षित कृषि, विभिन्न कृषि-पारिस्थितिक स्थितियों (सूखा, बाढ़ आदि) के लिए विभिन्न फसलों में किस्मों का विमोचन, प्रौद्योगिकी प्रसारऔर कदन्न उत्पादन के लिए रणनीतिक और अनुकूली अनुसंधान के क्षेत्र में अनुसंधान उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बातचीत के दौरान अनुसंधान, क्षमता निर्माण और प्रसार के क्षेत्र में संस्थान के भविष्य के कार्यक्रमको भी प्रस्तुत किया। माननीय महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने संस्थान द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और उपलब्धियों के लिए वैज्ञानिकों तथा प्रशासनिक व तकनीकी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिए । उन्होंने हितधारकों, उद्योगों और बाजार द्वारा वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए वांछित उत्पादों, अवधारणाओं और पैकेज को उत्पन्न करने के उद्देश्य से भारत के पूर्वी क्षेत्र के समग्र कृषि विकास और नवाचार एवं केंद्रित अनुसंधान के लिएप्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण, उद्यमशीलता के विकास, आधुनिक तकनीकों (एआई, ड्रोन आदि) के उपयोग, प्रभावी प्रौद्योगिकी प्रसार, अन्य आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, लाइन विभागों को शामिल करते हुए संयुक्त दृष्टिकोण को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक वैज्ञानिक के पास अनुसंधान का एक केंद्रित क्षेत्र होना चाहिए, ताकि संसाधनों का कुशलता से उपयोग किया जा सके और समय सीमा में परिणाम दिए जा सके। इसके अलावा, उन्होंने उन क्षेत्रों के बारे में विचार-विमर्श करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिनमें संस्थान अपनी अनुसंधान गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगा और तदनुसार परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करेगा। संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास ने बताया कि अनिवार्य समेकित कृषि प्रणालीगतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वैज्ञानिकों की बहु-विषयक टीम की आवश्यकता है, तदनुसार रांची केंद्र में सस्य वैज्ञानिक तथासंस्थान और इसके केंद्र में रिक्त पदों को भी भरे जाने की आवश्यकता है। माननीय महानिदेशक ने बताया कि निदेशक अधिदेश प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक को स्थानांतरित कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि परिषद द्वारा रिक्त पदों की भर्ती के लिए

सर्वोत्तम प्रयास किया जाएगा। संस्थान के निदेशक ने माननीय सचिव, डेयर और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को अवगत कराया कि संस्थान के सुचारू संचालन के लिए रांची, सबजपुरा और दरभंगा केंद्र में चहारदीवारी का निर्माण, एक केंद्रीय प्रयोगशाला, अतिथि गृह/ छात्रावास की स्थापना करना आवश्यक है। इसके अलावा, हवाई अड्डे को हस्तांतरित लगभग 21 एकड़ कृषि भूमि पर विचार करते हुए समेकित कृषि प्रणाली इकाइयों, चारा ब्लॉकों, पशु इकाइयों और अन्य उद्देश्यों के लिए अतिरिक्त भूमि की तत्काल आवश्यकता है। डॉ. पाठक ने संस्थान के अनुसंधान और कामकाज के लिए हर संभव सहायता सुनिश्चित की। उन्होंने फार्म का भी दौरा किया और प्रायोगिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने दो पुस्तकों;"मत्स्य पालन की उन्नत तकनिकियां" और "लाभप्रद बकरी पालन"; "पूर्वी भारत में खेती के लिए उपयुक्त सब्जियों की किस्में" नामक तकनीकी बुलेटिन एवं "पोषक-अनाज के लिए उत्पादन तकनीक" नामक का प्रसार फ़ोल्डर काभी विमोचन किया। इस अवसर पर पटना के नौबतपुर प्रखंड के एक प्रगतिशील किसान श्री कामाख्या नारायण शर्मा ने तालाब आधारित समेकित कृषि प्रणाली मॉडल पर अपने अनुभव साझा किया और बताया कि उन्हें इस मॉडल से महत्वपूर्ण मौद्रिक लाभ मिल रहा है। माननीय महानिदेशक ने किसान को उसके कार्य के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान अन्य गणमान्य अतिथिगण जैसे डॉ. ए.के. सिंह, निदेशक, गन्ना अनुसंधान संस्थान, डॉ.आर.पी.सी.ए.यू, पूसा, समस्तीपुर; डॉ. अंजनी कुमार, निदेशक, आईसीएआर-अटारी, पटना और डॉ.बिकाश दास, निदेशक, आईसीएआर-एनआरसी लीची, मुजफ्फरपुर भी उपस्थित थे। डॉ. मनीषा टम्टा, वैज्ञानिक, फसल अनुसंधान प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।